



दिल्ली राजपत्र

Delhi Gazette

असाधारण
EXTRAORDINARY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 309] दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 11, 2017/श्रावण 20, 1939 [रा.रा.क्षे.दि. सं. 212
No. 309] DELHI, FRIDAY, AUGUST 11, 2017/SRAVANA 20, 1939 [N.C.T.D. No. 212

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

वित्त (राजस्व—1) विभाग

अधिसूचना

दिल्ली, 11 अगस्त, 2017

सं. फा. 3(22)/वित्त (राज.-1)/2017-18/डीएस—VI/515.—राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 (2017 का दिल्ली अधिनियम 03) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त षष्ठियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली माल और सेवाकर नियम, 2017 का और संषोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम दिल्ली माल और सेवाकर (चौथा संषोधन) नियम, 2017 है।
(2) अन्यथा उपबंधित के सिवाय वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. दिल्ली माल और सेवाकर नियम, 2017 (जिन्हें इसके पश्चात् मूल नियमावली कहा गया है) में, 22 जुलाई, 2017 से, नियम 24 के उपनियम 4 में, “नियत तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर” षष्ठों के स्थान पर, “30 सितंबर, 2017 को या उससे पूर्व” अंक और षष्ठ रखे जाएंगे।
3. मूल नियमावली में, नियम 34 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“34. मूल्य के अवधारण के लिए भारतीय रूपए से भिन्न मुद्रा के विनिमय की दर—(1) कराधेय माल के मूल्य का अवधारण करने के लिए विनिमय की दर अधिनियम की धारा 12 के निबंधनों में ऐसे मालों की पूर्ति के समय की तारीख के लिए सीमाषुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के अधीन बोर्ड द्वारा यथा अधिसूचित विनिमय की लागू दर होगी।

(2) कराधेय सेवाओं के मूल्य का अवधारण करने के लिए विनिमय की दर अधिनियम की धारा 13 के निबंधनों में ऐसी सेवाओं की पूर्ति के समय की तारीख को साधरणतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार अवधारित लागू विनिमय दर होगी।”।

4. मूल नियमावली में, नियम 46 के तीसरे परंतुक के स्थान पर निम्नलिखित परंतुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परंतु यह भी कि माल या सेवाओं के निर्यात की दषा में बीजक पर, यथास्थिति, “निर्यात/एसईजेड इकाई या एसईजेड विकासकर्ता को एकीकृत कर के संदाय पर प्राधिकृत प्रचालनों के लिए पूर्ति” या “निर्यात/एसईजेड इकाई और एसईजेड विकासकर्ता को एकीकृत कर का संदाय किए बिना बंधपत्र या वचनबंध के अधीन प्राधिकृत प्रचालनों के लिए पूर्ति का पृष्ठांकन होगा और खंड (ङ) में विनिर्दिष्ट व्यौरों के स्थान पर निम्नलिखित व्यौरे अंतर्विष्ट होंगे, अर्थात् :—

- (i) प्राप्तिकर्ता का नाम और पता :
- (ii) परिदान का पता : और
- (iii) गंतव्य देष का नाम :”।

5. मूल नियमावली में, 1 जुलाई, 2017 से, नियम 61 के उपनियम (5) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(5) जहां धारा 37 के अधीन प्ररूप जीएसटीआर – 1 और धारा 38 के अधीन प्ररूप जीएसटीआर – 2 में व्यौरे प्रस्तुत करने के लिए समय–सीमा का विस्तार किया गया है और ऐसी परिस्थितियां हैं, तो आयुक्त अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट कर सकेगा कि रिटर्न इलैक्ट्रानिक रूप में प्ररूप जीएसटीआर – 3ख में सामान्य पोर्टल के माध्यम से या तो सीधे या आयुक्त द्वारा अधिसूचित किसी सुविधा केंद्र के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

(6) जहां प्ररूप जीएसटीआर – 3ख में कोई रिटर्न प्ररूप जीएसटीआर – 2 में व्यौरे प्रस्तुत करने की सम्यक् तारीख के पश्चात् प्रस्तुत किया जाता है—

(क) प्ररूप जीएसटीआर – 3 में रिटर्न का भाग—क प्ररूप जीएसटीआर – 1, प्ररूप जीएसटीआर – 2 के माध्यम से प्रस्तुत सूचना के और पूर्ववर्ती कर अवधियों के अन्य दायित्यों के आधार पर इलैक्ट्रानिकी रूप से सृजित किया जाएगा तथा उक्त रिटर्न का भाग—ख कर अवधि के संबंध में प्रस्तुत प्ररूप जीएसटीआर – 3ख के आधार पर इलैक्ट्रानिकी रूप से सृजित किया जाएगा :

(ख) रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति प्ररूप जीएसटीआर – 3ख में रिटर्न और प्ररूप जीएसटीआर – 3 में रिटर्न के बीच विसंगतियों, यदि कोई हों, के आधार पर प्ररूप जीएसटीआर – 3 में रिटर्न भाग—ख को उपांतरित करेगा और अपने कर दायित्वों, यदि कोई हों, का निर्वहन करेगा :

(ग) जहां प्ररूप जीएसटीआर – 3 में कर प्रत्यय की रकम प्ररूप जीएसटीआर – 3 के निबंधनों में इनपुट कर प्रत्यय की रकम से अधिक हो जाती है तो अतिरिक्त रकम का रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति की इलैक्ट्रानिक प्रत्यय बही में प्रत्यय किया जाएगा ।”।

6. मूल नियमावली में, 1 जुलाई, 2017 से नियम 83 के उपनियम (3) के दूसरे परंतुक में, “उपधारा” षब्द के स्थान पर, “उपनियम” षब्द रखा जाएगा ।

7. मूल नियमावली में, 1 जुलाई, 2017 से नियम 89 के उपनियम (4) के खंड (ङ) में, “उपधारा” षब्द के स्थान पर, “खंड” षब्द रखा जाएगा ।

8. मूल नियमावली में, संलग्न प्ररूपों में, 1 जुलाई, 2017 से –

(क) प्ररूप जीएसटी टीआरएन – 1 में क्रम सं. 7 में, सारणी (क) में स्तंभ (2) की शीर्ष के स्थान पर “यथा लागू एचएसएन” शीर्ष रखा जाएगा :

(ख) प्ररूप जीएसटी टीआरएन – 2 में क्रम सं. 4 और 5 में, सारणी में स्तंभ (1) में शीर्ष के स्थान पर “यथा लागू एचएसएन” शीर्ष रखा जाएगा ।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल के आदेश से तथा उनके नाम पर,
ए. के. सिंह, उप-सचिव-VI (वित्त)

FINANCE (REVENUE-1) DEPARTMENT**NOTIFICATION**

Delhi, the 11th August, 2017

No. F. 3(22)/Fin(Rev-I)/2017-18/DS-VI/515.— In exercise of the powers conferred by section 164 of the Delhi Goods and Services Tax Act, 2017 (Delhi Act 03 of 2017), the Lt. Governor of the National Capital Territory of Delhi, hereby makes the following rules further to amend the Delhi Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:—

- (1) These rules may be called the Delhi Goods and Services Tax (Fourth Amendment) Rules, 2017.
- (2) Save as otherwise provided, they shall come into force on the date of publication in the Official Gazette.
2. In the Delhi Goods and Services Tax Rules, 2017 (hereinafter referred to as the principal Rules), in rule 24, with effect from 22nd July, 2017, in sub-rule (4), for the words “within a period of thirty days from the appointed day”, the words and figures “on or before 30th September, 2017” shall be substituted.
3. In the principal Rules, for rule 34, the following shall be substituted, namely:—

“34. Rate of exchange of currency, other than Indian rupees, for determination of value.”

 - (1) The rate of exchange for determination of value of taxable goods shall be the applicable rate of exchange as notified by the Board under section 14 of the Customs Act, 1962 for the date of time of supply of such goods in terms of section 12 of the Act.
 - (2) The rate of exchange for determination of value of taxable services shall be the applicable rate of exchange determined as per the generally accepted accounting principles for the date of time of supply of such services in terms of section 13 of the Act.”.
4. In the principal Rules, in rule 46, for the third proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided also that in the case of the export of goods or services, the invoice shall carry an endorsement “SUPPLY MEANT FOR EXPORT/SUPPLY TO SEZ UNIT OR SEZ DEVELOPER FOR AUTHORISED OPERATIONS ON PAYMENT OF INTEGRATED TAX” or “SUPPLY MEANT FOR EXPORT/SUPPLY TO SEZ UNIT OR SEZ DEVELOPER FOR AUTHORISED OPERATIONS UNDER BOND OR LETTER OF UNDERTAKING WITHOUT PAYMENT OF INTEGRATED TAX”, as the case may be, and shall, in lieu of the details specified in clause (e), contain the following details, namely,—

- (i) name and address of the recipient;
- (ii) address of delivery; and
- (iii) name of the country of destination.”.

5. In the principal Rules, in rule 61, with effect from 1st July, 2017, for sub-rule (5), the following sub-rules shall be substituted, namely:—

“(5) Where the time limit for furnishing of details in **FORM GSTR-1** under section 37 and in **FORM GSTR-2** under section 38 has been extended and the circumstances so warrant, the Commissioner may, by notification, specify that return shall be furnished in **FORM GSTR-3B** electronically through the common portal, either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner.

(6) Where a return in **FORM GSTR-3B** has been furnished, after the due date for furnishing of details in **FORM GSTR-2**—

(a) **Part A** of the return in **FORM GSTR-3** shall be electronically generated on the basis of information furnished through **FORM GSTR-1**, **FORM GSTR-2** and based on other liabilities of preceding tax periods and **PART B** of the said return shall be electronically generated on the basis of the return in **FORM GSTR-3B** furnished in respect of the tax period;

(b) the registered person shall modify **Part B** of the return in **FORM GSTR-3** based on the discrepancies, if any, between the return in **FORM GSTR-3B** and the return in **FORM GSTR-3** and discharge his tax and other liabilities, if any;

(c) where the amount of input tax credit in **FORM GSTR-3** exceeds the amount of input tax credit in terms of **FORM GSTR-3B**, the additional amount shall be credited to the electronic credit ledger of the registered person.”.

6. In the principal Rules, in rule 83, with effect from 1st July 2017, in sub-rule (3), in the second proviso, for the word “sub-section”, the word “sub-rule” shall be substituted.

7. In the principal Rules, in rule 89, with effect from 1st July 2017, in sub-rule (4), in clause (E), for the word “sub-section”, the word “clause” shall be substituted.

8. In the principal Rules, in the forms appended thereto,—

(i) in **FORM GST TRAN-1**, with effect from 1st July 2017, in Sl. No. 7, in Table (a), for the heading of column (2), the heading “HSN as applicable” shall be substituted;

(ii) in **FORM GST TRAN-2**, with effect from 1st July 2017, in Sl. No. 4 and 5, in the Table, for the heading of column (1), the heading “HSN as applicable” shall be substituted.

By Order and in the Name of the Lt. Governor
of the National Capital Territory of Delhi,

A. K. SINGH, Dy. Secy. VI (Finance)